वैश्विक प्रकृति संरक्षण सूचकांक 2024

सरोत: डाउन टू अरथ

वर्ष 2024 के वैश्विक प्रकृति संरक्षण सूचकांक (Nature Conservation Index : NCI) में **भारत 176 वें स्थान पर है।** 180 देशों में से यह किरिबाती (180), तुर्की (179), इराक (178) और माइक्रोनेशिया (177) के साथ **सबसे कम रैंक वाले पाँच देशों में से एक है।**

- **भारत की निम्न रैंकिंग अकुशल भूमि प्रबंधन** और बढ़ती **जैव विविधता के खतरों** के कारण है।
- **प्रकृति संरक्षण सूचकांक (NCI) के बारे में:**
  - इसे **बेन-गुरियन बेन-गुरियन यूनिवर्सिटी** के गोल्डमैन सोनेनफेल्ड स्कूल ऑफ सस्टेनेबिलिटी एंड क्लाइमेट चेंज और जैवविविधता डेटाबेस BioDB.com द्वारा विकसित किया गया है।
  - संरक्षण प्रयासों के मूल्यांकन के लिये पहली **NCI अक्तूबर, 2024 में शुरू की गई थी।**
  - इसमें **चार प्रमुख मानदंडों का मूल्यांकन किया गया है: भूमि प्रबंधन,** जैव विविधता को खतरा, क्षमता और शासन, और भविष्य के रुझान।
- **NCI का अवलोकन:**
  - **भूमि का सतत् उपयोग** अत्यंत महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि 53% भूमि का उपयोग शहरी, औद्योगिक और कृषि प्रयोजनों के लिये किया जाता है।
  - यह सूचकांक कीटनाशकों के **उच्च उपयोग पर प्रकाश डालता है तथा** मृदा प्रदूषण **से संबंधित जानकारी प्रदान करता है।**
  - **समुद्री संरक्षण** में सुधार की आवश्यकता है, केवल 0.2% राष्ट्रीय जलमार्ग संरक्षित हैं तथा भारत के **अनन्य आर्थिक क्षेत्र (EEZ) में कोई भी नहीं है।**
  - **भारत विश्व स्तर पर अवैध वन्यजीव व्यापार करने वाला चौथा सबसे बड़ा देश** है, जिसकी वार्षिक बिक्री लगभग 15 बिलियन यूरो है।
  - **वनोन्मूलन के** परिणामस्वरूप वर्ष 2001 और 2019 के बीच 23,300 वर्ग किलोमीटर वृक्ष क्षेत्र नष्ट हो गया।
  - भारत की **पारिस्थितिकि संपदा** को लगातार **अधिक जनसंख्या** के कारण **खतरा बना रहता है।**

और पढ़ें: पर्यावरण प्रदर्शन सूचकांक 2024

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/global-nature-conservation-index-2024